DINABANDHU MAHAVIDYALAYA
Estd.-1947
* CENTRAL LIBRARY *

SANSKRIT – GENERAL
FIRST PAPER – 2015

Duration: 3 Hours **Full Marks: 100**

UNIT – I
(Marks – 10)

1. (a) নিম্নলিখিত যে কোন তিনটি ছন্দের লক্ষণসহ উদাহরণ দিন ঃ 3×2=6

মালিনী, প্রহর্ষিণী, রুচিরা, ভুজঙ্গপ্রয়াতম্, রথোদ্ধতা।

(b) নিম্নলিখিত যে কোন দুটির গণবিভাগপূর্বক ছন্দ নির্ণয় করুন ঃ 2×2=4

(i) অসংশয়ং ক্ষত্রপরিগ্রহক্ষমা।

(ii) অর্থো হি কন্যা পরকীয় এব।

(iii) নীবারাঃ শুকগর্ভকোটরমুখভ্রষ্টাস্তরুণামধঃ।

(iv) অভিজনবতী ভর্তুঃ শ্লাঘ্যে স্থিতা গৃহিণীপদে।

UNIT – II
(Marks – 10)

2. (a) যে-কোনও পাঁচটির শব্দরূপ লেখ ঃ 5×1=5

(i) বধূ in সপ্তমী বহুবচন

(ii) পিতৃ in দ্বিতীয়া বহুবচন

(iii) নদী in সপ্তমী একবচন

(iv) যুষ্মদ্ in ষষ্ঠী বহুবচন

(v) বারি in সপ্তমি একবচন

(vi) যদ্ (পুং) in তৃতীয়া বহুবচন

(vii) লদ্ (স্ত্রী) in ষষ্ঠী বহুবচন

(viii) ধেনু in দ্বিতীয়া বহুবচন।

(b) যে-কোনও **পাঁচটির** ধাঁতুরূপ লেখ ঃ 5×1=5

(i) ✓কৃ in লোট্ 2nd person singular

(ii) ✓দিব্ in লৃট্ 1st person dual

(iii) ✓ভূ in বিধিলিঙ্ 3rd person plural

(iv) ✓ সেব্ in লৃট্ 2nd person plural

(v) ✓গম্ in লোট্ 1st person singular

(vi) ✓পঠ্ in লঙ্ 2nd person singular

(vii) ✓অস্ in বিধিলিঙ্ 2nd person singular

(viii) ✓গম্ in লঙ্ 1st person plural.

UNIT – III
(Marks – 40)

3.(a) ভাসের স্বপ্নবাসত্ত নাটকের প্রথমাঙ্কে ব্রহ্মচারী বৃত্তান্তের নাটকীয় তাৎপর্য নির্ণয় করুন। 12

অথবা, স্বপ্নবাসবদত্ত নাটকের নামকরণ বিচার করুন।

অথবা, 'স্বপ্নবাসবদত্ত' নাটক অবলম্বনে বাসবদত্ত ও পদ্মাবতী চরিত্রের তুলনামূলক আলোচনা করুন।

(b) নিম্নলিখিত যে কোন একটি বাংলা অথবা ইংরাজীতে অনুবাদ করুন ঃ 6

(i) কার্যং নৈবার্থনাপি ভোগৈর্ন বস্ত্রৈ-
র্নাহং কাষায়ং বৃত্তিহেতোঃ প্রপন্নঃ।
ধীরা কন্যেয়ং দৃপ্তধর্মপ্রচারা
শক্তা চারিত্রং রক্ষিতুং মে ভগিন্যাঃ।।

(ii) খগা বাসোপেতাঃ সলিলমবগাঢ়ো মুনিজনঃ
প্রদীপোঽগ্নির্ভাতি প্রবিচরতি ধূমো মুনিবনম্।
পরিশ্রান্তো দূরাদ্ রবিরতি চ সংক্ষিপ্তকিরণো

रथं व्यावर्त्यासौ प्रविशति शनैरस्तशिखरम्।।

অথবা, নিম্নলিখিত যে কোন দুটির উপর সংক্ষিপ্ত টীকা লিখুন ঃ 2×3=6

वसन्तक, दर्शक, समुद्रगृह, महादेवी।

(c) নিম্নলিখিত যে কোন **একটি** শ্লোকের ব্যাখ্যা করুন ঃ

(i) सुखमर्थो भवेद् दातुं सुखं प्राणाः सुखं तपः।
सुखमन्यद् भवेद् सर्वं दुःखं न्यासस्य रक्षणम्।।

(ii) यदि तावदयं स्वप्नो धन्यमप्रतिबोधनम्।
अथायं विभ्रमो वा स्याद् विभ्रमो ह्यस्तु मे चिरम्।।

4. (a) ধূর্ত সভাসদ্‌রা যেভাবে রাজার দোষগুলি গুণরূপে বর্ণনা করত, 'শুকনাসোপদেশ' অনুসরণে তার বিবরণ দিন।

অথবা, বাণভট্ট এবং তাঁর রচনার পরিচয় দিন।

(b) নিম্নলিখিত যে কোন **একটি** অনুচ্ছেদ বাংলা অথবা ইংরাজীতে অনুবাদ করুন।

(i) सर्वथा तमभिनन्दन्ति, तमालपन्ति, नं पार्श्वे कुर्वन्ति .... योऽहर्निशमनवरतमुपरचिताञ्जलिरधिदैवतमिव विगतान्यकर्तव्य : स्तौति, यो वा माहात्म्युध्दावयति।

(ii) दर्शनप्रदानमपि अनुग्रहं गणयन्ति, दृष्टिपातमप्युपकारपक्षे स्थापयन्ति, सम्भाषणमपि संविभागमध्ये कुर्वन्ति, आज्ञामपि वरप्रदानं मन्यन्ते, स्पर्शमपि पावनमाकलयन्ति।

UNIT–IV
(Marks–15)

5. (a) নিম্নরেখ যে কোন **ছয়টি** পদের কারক-বিভক্তি নির্ণয় করুন ঃ 6

(ii) नारायणं नमस्कारोति। .

(iii) शिवाय नमः

(iv) विद्वान् सर्वेषां पुजितः।

(v) कृष्णस्य कृतिः।

(vi) भक्ताय धारयति मोक्षं हरिः।

(vii) चर्मणि द्वीपिनं हन्ति।

(viii) स हि काकात् कृष्णः

(ix) फलेभ्यः उद्यानं याति।

(x) अधीती व्याकरणे।

(b) নিম্নলিখিত যে কোন **দুটি** প্রয়োগের উদাহরণ দিন ঃ

(i) अकथितं च।

(ii) उत्पातेन ज्ञापिने च।

(iii) कर्तरि षष्ठी।

(iv) यतश्च निर्धारणम्।

(c) যে কোন **দুটির** সন্ধি করুন ঃ

(i) पतन् + तरुः

(ii) अनुमति + अनुसारेण

(iii) कवी + ईमौ

(iv) उत् + हतः।

(d) যে কোন **তিনটির** সন্ধিবিচ্ছেদ করুন ঃ

(i) हसन्नागतः।

(ii) शयनम्।

(iii) पित्रालयः।

(iv) षष्ठः।

(v) शीतार्तः।

(vi) स्वर्गतः।

UNIT–V
(Marks–25)

6. নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদটি সংস্কৃতে অনুবাদ করুন ঃ 2×2=4

মাধব এবং যাদব ছিল দুই বন্ধু। ঘন বনের নিকটে একই গ্রামে তারা দুজনে থাকত। একদিন তারা দুজনে কিছু কাঠ ও মধু সংগ্রহ করতে বনে গিয়েছিল।

অথবা, মালিনী নদীর তীরে মহর্ষি কণ্বের তপোবন। একদিন মহারাজ দুষ্যন্ত একটি হরিণকে অনুসরণ করতে করতে সেখানে এসে উপস্থিত হন। সেখানে কণ্বের পালিতা কন্যা শকুন্তলাকে তিনি দেখতে পান।

7. নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদটি পড়ে প্রদত্ত প্রশ্নগুলির সংস্কৃতে উত্তর দিন ঃ

अस्ति दाक्षिणात्ये जनपदे महिलारोप्यं नाम नगरम्। तत्र अमरशक्तिर्नाम राजा बभूव। तस्य त्रयः पुत्राः परमदुर्मेधसो वसुशक्तिरुग्रशक्तिरुग्रशक्तिरनेकशक्तिश्चेति नामानो बभूवुः। अथ राजा तान् शास्त्रविमुखानालोक्य सचिवानाहूय प्रोवाच - भोः ज्ञातमेतद् भवद्भिः यन्ममैते पुत्राः शास्त्रविमुखा विवेकरहिताश्च। तदेतान् पश्यतो मे महदपि राज्यं न सौख्यम् आवहति।

(i) कुत्रासीत् महिलारोप्यम्? 2

(ii) तत्र कः राजा असीत्? 2

(iii) राज्ञः के नाम पुत्रा अभवन्? 3

(iv) राजपुत्राः कीदृशा आसन्? 3

(v) अमरशक्तिः सचिवान् किमुवाच? 5